अध्याय : 5

जनसंख्या स्थानान्तरण
मानव इतिहास की भौति जनसंख्या के स्थानान्तरण का इतिहास भी विश्वव्यापी रहा है। कदाचित यदि हम कहें कि स्थानान्तरण ही संसार की जनसंख्या के विकास का मूल है तो अभ्युद्यतत न होगी। अर्थात जनसंख्या स्थानान्तरण की परम्परागत ढील उत्तरी ही पुराणी है, जिनकी स्वयं मानव इतिहास एवं समयता की। इसी में 1500 ई पूर्व मध्य एशिया से आर्य भारत में आये (श्रीवस्तव, 2000)। यहूदी एवं अरब लोग उत्तरी अफ्रीका एवं अरब से यूरोप में जा बसे। ऐसा ही प्रवास हमारे आर्य पूर्वों को मध्य एशिया से भारत लाया था। मध्य काल में अंग्रेज एवं फ्रांसीसी उत्तरी अमेरिका एवं अस्ट्रेलिया को प्रवासित हुये। तत्कालीन यूरोप के राष्ट्रों के निर्माण तथा उपनाम में आवास–प्रवास के जातिगत सम्बन्धों की ज्ञानी मिलती है। अमेरिका का विकास यूरोपीय स्थानान्तरण की निरंतर धाराओं एवं प्रतिरोधाओं की ही देन है (यादव, 2002)।

प्राचीनकाल में जब आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक का विकास नहीं हुआ था तो मानव पैदल या पालतू पशुओं के सहयोग से सीमित दूरी तक स्थानान्तरण कर पाता था, लेकिन विज्ञान एवं तकनीक का विकास ने मानव की गतिशीलता में वृद्धि को की है साथ ही विभिन्न यातायातिक साधनों के विकास द्वारा क्षेत्रिज दूरी को सामान्य दूरी में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आधुनिक युग में जनसंख्या स्थानान्तरण मानवीय समयता का प्रधान अंग बन गया है।

मानव वर्गों के आधिक, सामाजिक, राजनैतिक या अन्य कारकों से एक स्थान, प्रदेश, देश आदि महाद्वीप में आग्रहन अथवा प्रव्रजन को जनसंख्या स्थानान्तरण कहते है। स्थानान्तरण मानल स्थान परिवर्तन ही नहीं, बल्कि कुल क्षेत्र के क्षेत्रीय तत्त्व तथा क्षेत्रीय सम्बन्धों को समझने का प्रमुख आधार है, (गोसल, 1961)। प्रवास (स्थानान्तरण) सांस्कृतिक वितरण और सामाजिक एकता का यंत्र है (बोंग, 1959)। गार्नियर (1966) ने आग्रहन एवं प्रव्रजन की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट कराया है।

ईईसोली (1970) स्थानान्तरण को स्थायी या अर्धस्थायी आवास परिवर्तन मानते है तथा दूसरी को अधिक महत्व नहीं देते।

इस प्रकार स्थानान्तरण स्थायी आवास परिवर्तनयुक्त जनसंख्या की गतिशीलता को इंगित करता है। दूसरे शब्दों में, यह जनसंख्या का एक निवास स्थल से दूसरे
निवास स्थल तक की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक किसी कारण से संबंधित या गतिशीलता को प्रदर्शित करता है (यादव, 1997)। जनसंख्या स्थानान्तरण से नयी संस्कृतियों का उदय, संस्कृति में मिश्रण तथा सामाजिक संबंध में परिवर्तन होता है।

जनसंख्या स्थानान्तरण के प्रकार

जनसंख्या स्थानान्तरण एक खास आयुवर्ग का होता है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि आक्रामक आयुवर्ग की अपेक्षा क्रियाशील आयुवर्ग में स्थानान्तरण अधिक होता है। क्योंकि तरूण वर्ग बच्चों एवं बूढ़ों की अपेक्षा अधिक स्थानान्तरण करते हैं। इस आयुवर्गीय असमानता में कहीं सितार्यां अधिक स्थानान्तरण करती हैं तो कहीं पुरुष। भारत में पुरुष प्रथम सामाजिक व्यवस्था के कारण सितार्यों का स्थानान्तरण विवाह के बाद पति-गृह हो जाता है। यह पूर्वी स्त्रीवर्ग स्थानान्तरण कहलायेगा। कभी-कभी परिवार के मुखिया के साथ-साथ बच्चे और अन्य भी स्थानान्तरण करते हैं। व्यवसायी वर्ग अपने व्यवसाय के अनुसार स्थानान्तरण करते हैं। जैसे- भूमिहीन कृषि मजदूर कृषकों की पुलना में अधिक स्थानान्तरण करते हैं।

जनपद प्रतापगढ़ में जनसंख्या स्थानान्तरण वैवाहिक तथा रोजगार प्राप्ति के लिए गाँवों से शहरों की ओर हुआ है। वैवाहिक दृष्टि से सितार्यों का स्थानान्तरण एवं रोजगार की दृष्टि से युवकों का स्थानान्तरण हुआ है।

स्थानान्तरण के निम्न प्रकार हैं:—

1. समय के आधार पर
   (1) दैनिक स्थानान्तरण
   (2) अवधिक स्थानान्तरण
   (3) दीर्घ कालिक स्थानान्तरण

2. दूरी के आधार पर
   (1) अन्तर्राष्ट्रीय स्थानान्तरण
   (2) राष्ट्रीय या देशान्तरिक स्थानान्तरण
   (3) स्थानीय स्थानान्तरण

स्थानीय स्थानान्तरण चार प्रकार के हैं—
   (1) गांव से नगर की ओर।
(2) नगर से नगर की ओर।
(3) गांव से गांव की ओर।
(4) नगर से गांव की ओर।

3. प्रवृत्ति के आधार पर

(1) आर्थिक स्थानान्तरण
(2) वैवाहिक स्थानान्तरण
(3) क्षेत्रीय एवं अन्य स्थानान्तरण

स्थानान्तरण के वर्ग

समाजशास्त्री पीठरसन (1969) ने स्थानान्तरण के चार वर्ग निर्धारित किये है
(यादव हिरालाल, 1997)।

(1) आदिम स्थानान्तरण

यह स्थानान्तरण पारिस्थितिकी दबाव का प्रतिफल है। इस वर्ग के स्थानान्तरण
cर्ता ठीक वैसा ही पर्यावरण चाहते थे जैसा उन्होंने छोड़ा था। ये स्थानान्तरण शिकार
eवं मत्य पकड़ केंद्रों की उपलब्धता के आधार पर होता था।

(2) बलात प्रति स्थानान्तरण

जब स्थानान्तरण को उठाया करने वाले कारक राज्य या सामाजिक संस्थाएं
होते है तो इस प्रकार का स्थानान्तरण होता है। 1930ं से 1980 डशा द्वारा विरोध करने
वाली जनसंख्या को बलपूर्वक हटाया गया।

(3) स्वतंत्र स्थानान्तरण

इस प्रकार के स्थानान्तरण में स्थानान्तरण दर्द की इच्छा प्रबल होती है। 19वीं
शताब्दी में यूरोप से अन्वेषक स्थानान्तरण हुए। वर्तमान में यह प्रभावी है।

(4) सामूहिक स्थानान्तरण

19वीं शताब्दी में यूरोप से नये विश्व की अन्वेषक दर्द स्थानान्तरण जोखिमयुक्त था और
इसने मात्र रोमांचक, साहसी अथवा अपने विचारों से प्रेरणा प्राप्त बौद्धिक वर्ग को ही
आकर्षित किया। तदन्तर इसी अन्वेषक प्रवासी वर्ग ने अधिक संख्या में लोगों के
स्थानान्तरण को मार्ग प्रशास्त किया। यही अवस्था सामूहिक स्थानान्तरण के रूप में
विकसित हो गयी। सामूहिक स्थानान्तरण का सर्वोत्तम उदाहरण यूरोप से अमेरिका को
वृहत संख्या में लोगों का एक प्रवाह है।

~146~
स्थानांतरण को प्रभावित करने वाले कारक

जनसंख्या स्थानांतरण के कारकों का विनिमय सरल कार्य नहीं है, क्योंकि जनसंख्या स्थानांतरण के पीछे विकास तथा आर्थिक के कारक साथ-साथ क्रियाशील रहते हैं। इन कारकों को कड़ी जनांकिकीविद्या ने आर्थिक एवं प्रत्यार्थित कारकों के रूप में विभक्त किया है। वस्तुत: इन दो प्रश्न कारकों के अतिरिक्त अन्य कारक भी प्रवासी के लिए महत्वपूर्ण हैं (यादव, 2002).

(1) आर्थिक कारक

किसी स्थान के लाभों से आर्थिक होकर संपन्न स्थानांतरण प्रक्रिया आर्थिक कारक जन्य होती है। यथा शहरों में रोजगार के अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य मनोरंजन, अधिक आय प्राप्ति के अवसर, अच्छी जलवायु के प्रदेश, इत्यादि का आर्थिक आदि से प्रेरित होकर व्यक्ति अपने स्वामित्व निवास को छोड़कर चले जाते हैं।

(2) प्रत्यार्थित कारक

प्रत्यार्थित कारक का लाभ किसी परिस्थितियों से है जिससे परेशान होकर कोई व्यक्ति अपने निवास स्थान को परिवर्तित करने के लिए बाध्य हो जाता है। जब व्यक्ति को गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, रोजगार सुविधा इत्यादि के अवसर सूचना नहीं होते तो व्यक्ति अपना स्थान परिवर्तित कर देता है। ये कारक आर्थिक ही नहीं वर्ना सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक भी हो सकते हैं। स्थानांतरण का सीधा सम्बन्ध सामाजिक–आर्थिक विकास में असमानता से है। प्रवास निर्धारित उपरोक्त कारकों का भली प्रकार स्पष्ट करने के लिए इन्हें आर्थिक, सामाजिक एवं जनसंख्याकी तकनीकों में विभक्त किया गया है (चन्दना 1997).

(3) आर्थिक कारक

प्रवास (स्थानांतरण) में अधिकांश आर्थिक उद्देश्य होते हैं। क्षेत्र विशेष की सामान्य आर्थिक दशा कृषि–भूमि की उपलब्धता, रोजगार के अवसर आदि आर्थिक के रूप में होते हैं। ज्यादा पिछड़े हुए क्षेत्रों में जनसंख्या बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक मंदी बढ़ती है तथा लोगों का गाँव कृषि कार्यों की ओर उन्नयन होने पड़ता है। (सिंह, 1993) सूचना क्रांति ने स्थानांतरण की इस प्रकृति को बढ़ाया है।
(4) सामाजिक कारक

कथितपणे सामाजिक रीतिरिवाजों के फलस्वरूप भी स्थानान्तरण होता है यथा विवाह के बाद लड़कियों का अपने पति/गृह जाना, इस स्थानान्तरण में केवल सामाजिक प्रथा का ही योगदान है। धार्मिक व्यवस्थान की भावना प्रवास को बढ़ावा देती है। भारी मात्रा में पिलिग्रिम फाउंडेशन का अन्य महासागर के दूसरे छोर पर स्थानान्तरण इसी का सूचक है (गानियर, 1969) द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व यहूदियों का प्रस्थान तथा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यहूदियों का विश्व के अनेक भागों से इजराईल आनन्द धार्मिक भावना का प्रतिफल है।

अन्य सामाजिक नियंत्रकों में सामाजिक, आर्थिक स्तर, सूचना तंत्र, सांस्कृतिक वैल मिलाप समाजस्वरूप की इच्छा तथा जातीय प्रमुखतम है। शिक्षा, सांस्कृतिक आदान –प्रदान स्थानान्तरण की सम्भावनाओं में वृद्धि करते हैं। जहाँ हर धार्मिक एवं जातीय बंधन अधिक है वहां स्थानान्तरण संभावनाएं क्षेत्र होती है जबकि जहाँ हर उच्च सामाजिक जागृति है वहां स्थानान्तरण अधिक होता है।

(5) जनसंसाधिकीय कारक

तीसरा जनसंस्था वृद्धिद्वार क्षेत्र विशेष में जनसंस्था दबाव उत्पन्न करती है फलते: जनसंस्था संसाधन अनुपात प्रभावित होता है। गंगा मैदान की जनसंस्था एवं संसाधन संतुलन में असमानता है परिणामश: यहां की जनसंस्था का प्राय:तिथि अवधारण के खिलाफ उत्कर्ष के केन्द्रों तथा खतरों पर आधारित औद्योगिक केन्द्रों जमशेदपुर, भिलाई, रांची, कटनी इत्यादि में यहां की जनसंस्था का स्थानान्तरण हो रहा है। (ओज़ा, 2001)।

जनसंस्था राजनीतिक राजनीतिक के लिए तीन कारकों को उत्तरदायी माना गया है (ली, 1966)।

(1) धनात्मक कारक— वे कारक जो जनसंस्था को किसी क्षेत्र में प्रवास के लिए आकृष्ट करते हैं धनात्मक कारक कहलाते है।

(2) अत्यन्तर्गत कारक— वे कारक जो जनसंस्था को अपने निवास स्थान से अन्य स्थान को प्रवास के लिए बाध्य करते हैं अत्यन्तर्गत कारक कहलाते है।

(3) अन्य कारक— इसमें कथितपणे वे सामाजिक कारक सम्मिलित है जो सभी क्षेत्रों में विद्यमान रहते है।

~148~
आचरण एवं प्रवृत्ति

आचरण एवं प्रवृत्ति जनसंख्या स्थानान्तरण के प्रमुखतम आयाम है। एक दूसरे का अर्थित समस्तिक स्वरूप से है। आचरण मानव समुदाय के मिले क्षेत्रों एवं स्थानों से किसी देश अथवा प्रदेश में आगमन को कहा जाता है। तथा प्रवृत्ति मानव समुदाय के एक स्थान से दूसरे स्थान को किये गये प्रवास को कहते है (लुबे, एवं सिंह, 1994)।

जनपद में क्षेत्रीय आचरण-प्रवृत्ति अधिक हुआ है। इसके अतिरिक्त वाराणसी, इलाहाबाद, जीनपुर, चुल्लानपुर, रायबरेली, कानपुर, फैजाबाद आदि जिलों में जनसंख्या का आचरण एवं प्रवृत्ति हुआ है। भारत के राज्यों में सर्वाधिक बिहार, पश्चिमी बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में जनसंख्या आचरण एवं प्रवृत्ति हुआ है।

जनपद में आचरण

जनपद प्रतापगढ़ में सन् 1981 में 379481 व्यक्तियों का आचरण हुआ था। जबकि 1991 में 541718 व्यक्तियों तथा 2001 में 670981 व्यक्तियों का आचरण हुआ है। 1981 में कुल आने वाली जनसंख्या में 6.94 प्रतिशत पुरुषों का तथा 93.06 प्रतिशत रिश्तियों का आचरण हुआ था। जनपद में सन् 1981 में कुल आने वालों में से 69.06 प्रतिशत अन्यत्र पैदा हुए थे जिसमें 6.28 प्रतिशत पुरुष एवं 93.72 प्रतिशत रिश्तियाँ थी। राज्य के अन्य जनपदों में 29.50 लोग पैदा हुए थे जिसमें 7.33 प्रतिशत पुरुष एवं 92.67 प्रतिशत रिश्तियाँ थी। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का आचरण 1.41 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 30.16 प्रतिशत एवं रिश्तियों का 69.83 प्रतिशत रहा। अन्य देशों में पैदा हुये लोगों का आचरण 0.04 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 36.67 प्रतिशत एवं रिश्तियों का 63.33 प्रतिशत रहा (तालिका 5.1)।

1991 में जनपद में कुल आचरित जनसंख्या में 6.14 प्रतिशत पुरुष थे जबकि 93.86 प्रतिशत रिश्तियाँ थीं। 1991 में जनपद में अन्यत्र पैदा हुए लोगों का आचरण 72.39 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 5.50 प्रतिशत तथा रिश्तियों का 94.50 प्रतिशत आचरण हुआ था। राज्य के अन्य जनपद में पैदा हुये लोगों का आचरण 25.89 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 6.17 प्रतिशत एवं रिश्तियों का 93.29 प्रतिशत रहा। भारत के अन्य
प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का आगमन 1.69 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 24.73 प्रतिशत एवं महिलाओं का 75.27 प्रतिशत था। अन्य देशों में पैदा हुये व्यक्तियों में कुल आने वालों का प्रतिशत 0.03 था जिसमें पुरुषों का 27.78 प्रतिशत एवं महिलाओं का 72.22 प्रतिशत रहा है (लालिका 5.2).

2001 में जनपद में अन्यत्र पैदा हुये लोगों का आबादी 74.83 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों का प्रतिशत 12.04 तथा महिलाओं का प्रतिशत 87.96 है। राज्य के अन्य जनपद में पैदा हुये लोगों का आबादी 22.93 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों का 8.48 प्रतिशत तथा महिलाओं का 91.52 प्रतिशत आबादी हुआ है। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का आबादी 2.21 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों का 33.30 प्रतिशत एवं महिलाओं का 66.70 प्रतिशत आबादी हुआ है। अन्य देशों में पैदा हुये लोगों का स्थायी ठिकाना होकर जनपद में आने वालों का प्रतिशत 0.02 है जिसमें पुरुषों का 32.32 प्रतिशत एवं महिलाओं का 67.68 प्रतिशत आबादी हुआ था। 2001 में कुल आबादी जनसंख्या (670981 जनसंख्या) में पुरुषों का आबादी 11.70 प्रतिशत है जबकि महिलाओं का आबादी 88.30 प्रतिशत हुआ है (लालिका 5.3).

इस प्रकार लालिका 5.1,5.2 एवं 5.3 के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में कुल स्थायी ठिकाना होकर आये हुये जनसंख्या में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है जो वैवधिक स्थानान्तरण का प्रतिफल है।

लालिका 5.1
जनपद प्रतापगढ़: जनसंख्या आबादी 1981

<table>
<thead>
<tr>
<th>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</th>
<th>कुल</th>
<th>पुरुष</th>
<th>महिला</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>262059 (69.06)</td>
<td>16459 (6.28)</td>
<td>245610 (93.72)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपद में पैदा हुये</td>
<td>111938 (29.50)</td>
<td>8203 (7.33)</td>
<td>103735 (92.67)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>5334 (1.41)</td>
<td>1609 (30.16)</td>
<td>3725 (69.83)</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य देशों में पैदा हुये</td>
<td>150 (0.04)</td>
<td>55 (36.67)</td>
<td>95 (63.33)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>379481 (100.00)</td>
<td>26326 (6.94)</td>
<td>353165 (93.06)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1981 उत्तर प्रदेश (कल्याण एवं माइग्रेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।
### तालिका 5.2

<table>
<thead>
<tr>
<th>मध</th>
<th>कुल</th>
<th>पुरुष</th>
<th>स्त्री</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>392172 (72.39)</td>
<td>21567 (5.50)</td>
<td>370605 (94.50)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>140226 (25.89)</td>
<td>9405 (6.71)</td>
<td>130821 (93.29)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>9140 (1.69)</td>
<td>2260 (24.73)</td>
<td>6880 (75.27)</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य देशों में पैदा हुये</td>
<td>180 (0.03)</td>
<td>50 (27.78)</td>
<td>130 (72.22)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>541718 (100.00)</td>
<td>33282 (6.14)</td>
<td>508447 (93.86)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991 उत्तर प्रदेश (कल्याण एवं माइग्रेशन टेबल)
भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

### तालिका 5.3

<table>
<thead>
<tr>
<th>मध</th>
<th>कुल</th>
<th>पुरुष</th>
<th>स्त्री</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>502120 (74.83)</td>
<td>60456 (12.04)</td>
<td>441664 (87.96)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>153864 (22.93)</td>
<td>13043 (8.48)</td>
<td>140821 (91.52)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>14833 (2.21)</td>
<td>4939 (33.30)</td>
<td>9894 (66.70)</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य देशों में पैदा हुये</td>
<td>164 (0.02)</td>
<td>53 (32.32)</td>
<td>111 (67.68)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>670981 (100.00)</td>
<td>78491 (11.70)</td>
<td>592490 (88.30)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 2001 उत्तर प्रदेश (कल्याण एवं माइग्रेशन टेबल)
भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।
ग्रामीण आबादी

जनपद में कुल स्थानांतरित होकर आये लोगों की जनसंख्या 541718 थी जिसमें कुल ग्रामीण आबादी जनसंख्या 512823 थी। जो कुल आबादी जनसंख्या का 94.67 प्रतिशत थी। 2001 में जनपद की कुल आबादी जनसंख्या 670981 है जिसमें कुल ग्रामीण आबादी जनसंख्या 63577 रही। अर्थात कुल स्थानांतरित होकर आये हुए लोगों का 94.66 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण रही है। कुल ग्रामीण आबादी जनसंख्या में 1991 में पुरुषों 4.99 प्रतिशत था तथा स्त्रियों का 95.01 प्रतिशत रहा। जबकि 2001 में कुल ग्रामीण आबादी जनसंख्या का 10.91 प्रतिशत पुरुष एवं 89.09 प्रतिशत स्त्रियाँ है।

जनपद में 1991 में कुल ग्रामीण जनसंख्या का 73.57 प्रतिशत आबादी था, जिसमें 4.68 प्रतिशत पुरुषों का आबादी एवं 95.32 प्रतिशत स्त्रियों का आबादी हुआ था। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये लोगों का आबादी 24.81 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 4.66 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 95.34 प्रतिशत रहा। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का आबादी 1.60 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 24.08 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 75.92 प्रतिशत आबादी था। अन्य देशों में पैदा हुये लोगों का जनपद में स्थानांतरण 0.02 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का आबादी 8.33 प्रतिशत एवं स्त्रियों का आबादी 91.67 प्रतिशत था (तालिका 5.4)।

2001 में कुल स्थानांतरित होकर आये जनसंख्या का 75.94 प्रतिशत जनपद में ही पैदा हुए हैं जिसमें पुरुषों का 11.53 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 88.47 प्रतिशत आबादी हुआ है। राज्य के अन्य जिलों में ग्रामीण जनसंख्या का आबादी 21.95 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों 6.62 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 93.38 प्रतिशत आबादी हुआ है। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का स्थानांतरण जनपद में 2.09 प्रतिशत हुआ है। जिसमें पुरुषों का 33.57 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 66.43 प्रतिशत जनसंख्या का आबादी हुआ है। अन्य देशों में पैदा हुये लोगों का आबादी 0.01 प्रतिशत है। जिसमें पुरुषों का ग्रामीण आबादी 22.47 प्रतिशत एवं स्त्रियों का ग्रामीण आबादी 77.53 प्रतिशत है (तालिका 5.4)।

जनपद में कुल स्थानांतरित होकर आये हुए जनसंख्या में स्त्रियों की संख्या पुरुषों की तुलना में बहुत अधिक है।

~152~
### तालिका 5.4
#### जनपद प्रतापगढ़ : ग्रामीण जनसंख्या आबादी

<table>
<thead>
<tr>
<th>मान</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>पुरुष</td>
</tr>
<tr>
<td>जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>377260 (73.57)</td>
<td>17670 (4.68)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>127253 (24.81)</td>
<td>5925 (4.66)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>8180 (1.60)</td>
<td>1970 (24.08)</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य देशों में पैदा हुये</td>
<td>120 (0.02)</td>
<td>10 (8.33)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>512823 (100)</td>
<td>25575 (4.99)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### स्रोत:
जिला जनगणना पुस्तिका 1991, 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्याण टेबुल, कल्याण एवं माइग्रेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

### ग्रामीण से ग्रामीण आबादी

ग्रामीण आबादी का 1991 में गणना के जिले में अन्यत्र पैदा होने वालों में 98.71 प्रतिशत जनसंख्या का ग्राम से ग्राम में आबादी हुआ था जबकि 2001 में ग्राम से ग्राम में आबादी होने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत 96.40 है। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये लोगों में से 1991 में 95.99 प्रतिशत ग्रामीण से ग्रामीण हुआ था जबकि 2001 में 94.39 प्रतिशत व्यक्तियों का आबादी ग्राम से ग्राम में हुआ है। इसी प्रकार भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों में से 1991 में 74.21 प्रतिशत ग्रामीण से ग्रामीण आबादी हुआ था, जबकि 2001 में 74.23 प्रतिशत जनसंख्या का आबादी ग्रामीण से ग्रामीण है (तालिका 5.5)।

~153~
जनपद में ग्रामीण से ग्रामीण स्थानान्तरण सर्वाधिक प्रभावी है। ग्रामीण से ग्रामीण आब्राजन पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं का अधिक रहा है जिसका मुख्य कारण वैवाहिक स्थानान्तरण है।

ग्रामीण से नगरीय आब्राजन

गणना के जिले में ही अन्यत्र पैदा होकर आने वालों का 1.29 प्रतिशत ग्रामीण से नगरीय जनसंख्या आब्राजन 1991 में हुआ था। 2001 में ग्रामीण से नगरीय स्थानान्तरित होकर आने वालों का प्रतिशत 3.80 है। 1991 में राज्य के अन्य जनपदों में पैदा होने वाले लोगों का आब्राजन ग्रामीण से नगरीय 3.97 प्रतिशत तथा 2001 में ग्रामीण से नगरीय आब्राजन 5.61 प्रतिशत है। भारत के अन्य राज्यों में ग्रामीण आब्राजन का 1991 में 25.79 प्रतिशत ग्रामीण से नगरीय जनसंख्या रहा है जबकि 2001 में ग्रामीण से नगरीय आब्राजन 25.77 प्रतिशत हुआ है। कुल ग्रामीण आब्राजन का 1991 में 97.64 प्रतिशत एवं 2001 में 96.02 प्रतिशत ग्रामीण से ग्रामीण आब्राजन हुआ है जबकि ग्रामीण से नगरीय आब्राजन 1991 में 2.34 प्रतिशत एवं 2001 में 3.98 प्रतिशत हुआ है (तालिका 5.5)।

ग्रामीण जनसंख्या का नगरीय केंद्रों की ओर पलायन ग्रामीण नगरीय स्थानान्तरण कहलाता है। ग्रामीण से नगरीय आब्राजन के मुख्य कारण नगरीय केंद्रों में विद्यामान अच्छे रोजगार के अवसर, नियमित उच्च मजदूरी के वर, निश्चित कार्यवाही, शैक्षिक सुविधायें, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, सामाजिक व वास्तविक रूप से समान मिलने के तहत ग्रामीण जनसंख्या को आकर्षित करती है।

जनपद प्रतापगढ़ में अल्प नगरीकरण ने इस वर्ग के स्थानान्तरण को कम प्रोत्साहित किया है। यहाँ विभिन्न श्रेणी के सात नगर केंद्र स्थित है। बेला प्रतापगढ़ नगर को छोड़कर श्रेणी सभी नवोदित चुनौती एवं पंचम श्रेणी के नगर हैं जिसमें केंद्रीय बल कम विकसित होने के कारण अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण से नगरीय आब्राजन कम हुआ है।

~154~
<table>
<thead>
<tr>
<th>मध्य</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>ग्रामीण से</td>
</tr>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>377260 (73.58)</td>
<td>372390 (98.71)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>127253 (24.82)</td>
<td>122153 (95.99)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>8180 (1.60)</td>
<td>6070 (74.21)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>512693 (100)</td>
<td>500613 (97.64)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (कल्चरल एवं माइक्रोशन टेक्नोलॉजी) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

जनपद में भारत के अन्य प्रान्तों से ग्रामीण आव्रजन

बारही जनपद में राज्य स्तर पर ग्रामीण जनसंख्या का आव्रजन 1991 में 1.60 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का 24.08 प्रतिशत एवं महिलाओं का 75.93 प्रतिशत आव्रजन हुआ था जबकि 2001 में भारत के राज्यों में पैदा हुये लोगों का आव्रजन 2.09 प्रतिशत हुआ है जिसमें पुरुषों का 33.57 प्रतिशत एवं महिलाओं का 66.43 प्रतिशत हुआ है (तालिका 5.4)।

1991 में जनपद में मध्य प्रदेश प्रान्त से सबसे अधिक ग्रामीण आव्रजन 53.14 प्रतिशत हुआ था जबकि पश्चिमी बंगाल प्रान्त से 12.55 प्रतिशत तथा विहार प्रान्त से 9.77 प्रतिशत एवं महाराष्ट्र प्रान्त से 7.75 प्रतिशत, तमिलनाडु से 4.18 प्रतिशत, बिहार प्रान्त से 2.71 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश से 1.11 प्रतिशत, राजस्थान प्रान्त से 1.35, पंजाब, से 1.35 प्रतिशत एवं दिल्ली से 1.48 प्रतिशत आव्रजन हुआ था। जबकि हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, केरल, जम्मू और कश्मीर, असम, दादर और नगर हवेली आदि प्रान्तों से न्यून मात्रा में आव्रजन हुआ था (तालिका 5.6)।

~155~
2001 में सबसे अधिक ग्रामीण आबादी जनपद में छत्तीसगढ़ प्रांत से 38.04 प्रतिशत हुआ है तथा मध्यप्रदेश से 19.69 प्रतिशत, झारखंड से 6.87 प्रतिशत, बिहार प्रांत से 5.34 प्रतिशत, उत्तराखंड से 7.96 प्रतिशत, पश्चिमी बंगाल से 7.85 प्रतिशत एवं महाराष्ट्र से 4.68 प्रतिशत, उड़ीसा से 2.71 प्रतिशत, दिल्ली से 1.22 प्रतिशत तथा कर्नाटक से 1.39 प्रतिशत जनपद में ग्रामीण आबादी हुआ है। अन्य प्रांतों में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चन्द्रगढ़, हरियाणा, राजस्थान, असम, तथा गुजरात आदि राज्यों से ग्रामीण आबादी अत्य लघु हुआ है (लालिका 5.6).

तालिका 5.6
भारत के अन्य प्रांतों से ग्रामीण आबादी जनसंख्या (प्रतिशत)

<table>
<thead>
<tr>
<th>वर्ग (प्रतिशत)</th>
<th>1991 प्रतिशत सहित प्रांतों के नाम</th>
<th>2001 प्रतिशत सहित प्रांतों के नाम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1 प्रतिशत से कम</td>
<td>उड़ीसा (0.25), राजस्थान (0.37), केरल (0.37), कर्नाटक (0.25) जम्मू और कश्मीर (0.36), गुजरात (0.62), असम (0.49), हरियाणा (0.98), दादरा और नगर हवेली (0.62)</td>
<td>हिमाचल प्रदेश (0.36), पंजाब (0.70), चन्द्रगढ़ (0.52), हरियाणा (0.42), राजस्थान (0.34), असम (0.47), गुजरात (0.82)</td>
</tr>
<tr>
<td>1–5</td>
<td>दिल्ली (1.48), पंजाब (1.35), चन्द्रगढ़ (1.35), आसम प्रदेश (1.11) निपुर (2.71), तमिलनाडु (4.18)</td>
<td>दिल्ली (1.22), केरल (1.39) उड़ीसा (2.71), महाराष्ट्र (4.68)</td>
</tr>
<tr>
<td>5–10</td>
<td>महाराष्ट्र (7.75), बिहार (9.77)</td>
<td>पश्चिमी बंगाल (7.85), उत्तराखंड (7.96), बिहार (5.34) झारखंड (6.87)</td>
</tr>
<tr>
<td>10–20</td>
<td>पश्चिमी बंगाल (12.55)</td>
<td>मध्य प्रदेश (19.69)</td>
</tr>
<tr>
<td>20 से अधिक</td>
<td>मध्य प्रदेश (53.14)</td>
<td>छत्तीसगढ़ (38.04)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (कल्वरल एवं माइग्रेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।
नगरीय आब्रजन

जनपद में कुल आब्रजन 1991 में 541718 व्यक्तियों का हुआ था जिसमें कुल नगरीय आब्रजित जनसंख्या 28905 रही। अर्थात् कुल आब्रजित जनसंख्या का 5.34 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय थी। कुल नगरीय आब्रजित जनसंख्या में 26.66 प्रतिशत पुरुष जबकि 73.33 प्रतिशत स्त्रियों थीं। इसी प्रकार 2001 में जनपद की कुल आब्रजित जनसंख्या 670981 है। जिसमें नगरीय आब्रजित जनसंख्या 35804 है, अर्थात् कुल स्थानांतरित होकर आये हुये जनसंख्या का 5.34 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है। कुल नगरीय आब्रजित जनसंख्या में पुरुषों का प्रतिशत 25.65 है जबकि स्त्रियों का प्रतिशत 74.35 है।

1991 में जनपद की कुल आब्रजित नगरीय जनसंख्या का 51.59 प्रतिशत जनपद प्रतापदेय में ही पैदा हुये थे जिसमें 26.13 प्रतिशत पुरुष एवं 73.87 प्रतिशत स्त्रियों थी। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये लोगों का आब्रजन 44.88 प्रतिशत था जिसमें 26.82 प्रतिशत पुरुष एवं 73.18 प्रतिशत स्त्रियों रही। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का आब्रजन 3.32 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों एवं स्त्रियों का प्रतिशत क्रमशः 30.21 एवं 69.79 रहा है। अन्य देशों में पैदा हुये लोगों का स्थानांतरण जनपद में 0.21 प्रतिशत था। जिसमें पुरुषों का प्रतिशत 66.67 एवं स्त्रियों का प्रतिशत 33.33 रहा (तालिका 5.7)।

जनपद में 2001 में पैदा हुये लोगों का आब्रजन 55.18 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों एवं स्त्रियों का प्रतिशत क्रमशः 24.61 एवं 75.39 है। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये लोगों का आब्रजन 40.34 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों का 26.42 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 73.58 प्रतिशत है। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का स्थानांतरण जनपद में 4.27 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों एवं स्त्रियों का आब्रजन क्रमशः 30.92 एवं 69.08 प्रतिशत है। अन्य देशों में पैदा हुये लोगों का आब्रजन 0.21 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों का प्रतिशत 44.00 एवं स्त्रियों का प्रतिशत 56.00 है (तालिका 5.7)।

तालिका 5.7 के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण जनसंख्या आब्रजन की दुलना में नगरीय जनसंख्या आब्रजन में पुरुषों का स्थानांतरण अधिक है। 1991 एवं 2001 में कुल ग्रामीण पुरुषों का आब्रजन क्रमशः 4.99 एवं 10.91 प्रतिशत है जबकि
नगरीय आब्रजन जनसंख्या में पुरुषों का आब्रजन 1991 में 26.66 प्रतिशत एवं 2001 में 25.65 प्रतिशत हुआ है। जिसका मुख्य कारण है ग्रामीण जनसंख्या का कृषि व्यवसाय पर निर्भर होना, जबकि नगरीय जनसंख्या अधिक आय प्राप्त करने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होनेसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होती है।

तालिका 5.7
जनपद प्रतापगढ़ : नगरीय जनसंख्या आब्रजन

<table>
<thead>
<tr>
<th>मध</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>पुरुष</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>(51.59)</td>
<td>(26.13)</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>14912</td>
<td>3897</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(26.13)</td>
<td>(73.87)</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>19755</td>
<td>4862</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>(55.18)</td>
<td>(24.61)</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(44.82)</td>
<td>(75.39)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>(44.82)</td>
<td>(75.39)</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>12973</td>
<td>3480</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(26.82)</td>
<td>(73.18)</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>14444</td>
<td>3816</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>(40.34)</td>
<td>(26.42)</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(69.66)</td>
<td>(73.58)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>(3.32)</td>
<td>(69.08)</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>960</td>
<td>290</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(30.21)</td>
<td>(69.79)</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>1530</td>
<td>473</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>(4.27)</td>
<td>(30.92)</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(95.73)</td>
<td>(69.08)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>अन्य देशों में पैदा हुये</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>(0.21)</td>
<td>(56.00)</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>60</td>
<td>40</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(66.67)</td>
<td>(33.33)</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>75</td>
<td>33</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>(0.21)</td>
<td>(44.00)</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(99.79)</td>
<td>(56.00)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>योग</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>(100)</td>
<td>(100)</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>28905</td>
<td>9184</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(26.66)</td>
<td>(25.85)</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>7707</td>
<td>21196</td>
</tr>
<tr>
<td>पुरुष</td>
<td>(73.33)</td>
<td>(74.35)</td>
</tr>
<tr>
<td>स्त्री</td>
<td>(26.66)</td>
<td>(26.66)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991, 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्चरल टेबल, कल्चरल एवं माइग्रेशन टेबल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

नगरीय से नगरीय आब्रजन

नगरीय क्षेत्रों से नगरों में आने वाली जनसंख्या को नगरीय से नगरीय आब्रजन या अतः नगरीय स्थानांतरण कहते हैं। 1991 में गणना के जिले में ही अत्यंत पैदा हुये लोगों का कुल आब्रजन 51.70 प्रतिशत था जबकि 2001 में 55.70 प्रतिशत जनसंख्या का आब्रजन हुआ है। 1991 में कुल नगरीय जनसंख्या आब्रजन का 9.66 प्रतिशत।
स्थानान्तरण जनपद में ही पैदा हुये लोगों का हुआ था जबकि 2001 में 10.05 प्रतिशत नगरीय से नगरीय आब्रजन हुआ है। राज्य के अन्य जिलों में पैदा हुये लोगों का जनपद में नगर से नगर आब्रजन 1991 में 25.75 प्रतिशत था तथा 2001 में 25.45 प्रतिशत था। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का नगरीय आब्रजन 1991 में 51.04 प्रतिशत नगर से नगर में आब्रजन हुआ था तथा 2001 में नगरीय से नगरीय आब्रजन जनपद में 51.57 प्रतिशत जनसंख्या का हुआ है।

इसी प्रकार कुल नगरीय आब्रजित जनसंख्या में नगरीय से नगरीय स्थानान्तरण 1991 में 18.27 प्रतिशत तथा 2001 में 18.73 प्रतिशत हुआ है (तालिका 5.8).

नगरीय से ग्रामीण आब्रजन

नगरों से ग्रामीण क्षेत्रों की जनसंख्या स्थानान्तरण को नगरीय–ग्रामीण स्थानान्तरण कहते हैं। नगरीय रेखाओं में व्यापक संपत्ति, प्रदूषण, आवासीय समस्याओं आदि के कारण मानव मन के ग्रामीण स्वच्छ वातावरण में विवाह की लालसा ने नगरों–ग्रामीण स्थानान्तरण को जन्म दिया है। अवकाश प्राप्त करने के पश्चात् प्रायः प्रत्येक कर्मचारी व्यक्ति अपने घरों में निवास करना पसंद करता है। प्रतापगढ़ जनपद में अन्य नगरीय किसान ने निवास के निर्भर नगरीय–ग्रामीण स्थानान्तरण को बढ़ावा दिया है।

1991 में गणना के जनपद में ही अन्यत्र पैदा हुये लोगों में आने वालों की कुल जनसंख्या का 90.34 प्रतिशत व्यक्तियों का नगर से गाँव से आब्रजन हुआ था तथा 2001 में नगरीय से ग्रामीण आब्रजन 89.95 प्रतिशत हुआ है। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये लोगों में जनपद में कुल आब्रजित जनसंख्या का 1991 में नगरीय क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानान्तरण 74.25 प्रतिशत हुआ था जबकि 2001 में 75.55 प्रतिशत हुआ है। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा होकर जनपद में आने वाली कुल जनसंख्या का 48.98 प्रतिशत आब्रजन नगरीय से ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ था जबकि 2001 में 48.43 प्रतिशत जनसंख्या नगर से गाँव में आब्रजित हुयी है।

इसी प्रकार कुल नगरीय आब्रजित जनसंख्या में नगर से ग्रामीण स्थानान्तरण 1991 में 81.73 प्रतिशत हुआ था तथा 2001 में नगरीय आब्रजित जनसंख्या का नगर से ग्रामीण आब्रजन 81.27 प्रतिशत हुआ है (तालिका 5.8).

नगरीय क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में आब्रजन का कारण नगरीय क्षेत्र में कार्यशील जनसंख्या का ग्रामीण अधिकता अर्थात् ग्रामीण क्षेत्र में निवास की इच्छा, नगरों में अपर्याप्त
तथा महग़न आवास, नगरीय क्षेत्रों में आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक भवनों को मिश्रित स्वरूप से उत्पन्न असूचिक आदि कुछ नगरीय क्षेत्रों से सांप्रदायिक अवकाश, मेलो, त्यौहारों तथा धार्मिक अवसरों पर भी लोग अपने ग्रामीण क्षेत्रों में आते हैं।

### तालिका 5.8

<table>
<thead>
<tr>
<th>मध्य</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
<th></th>
<th></th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>नगरीय से नगरीय</td>
<td>नगरीय से ग्रामीण</td>
<td>कुल</td>
<td>नगरीय से नगरीय</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>(90.34)</td>
<td>(55.29)</td>
<td>कुल</td>
</tr>
<tr>
<td>गणना के जनपदों में अन्यत्र पैदा हुए</td>
<td>14912 (51.70)</td>
<td>1440 (9.66)</td>
<td>13472 (90.34)</td>
<td>19755 (55.29)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुए</td>
<td>12973 (44.97)</td>
<td>3340 (25.75)</td>
<td>9633 (74.25)</td>
<td>14444 (40.43)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुए</td>
<td>960 (3.33)</td>
<td>490 (18.27)</td>
<td>470 (18.27)</td>
<td>1530 (4.28)</td>
</tr>
<tr>
<td>एकै</td>
<td>28845 (100)</td>
<td>5270 (18.27)</td>
<td>23575 (81.73)</td>
<td>35729 (100)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991, 2001 उत्तर प्रदेश (कल्किन्ता एवं माइग्रेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

### जनपद में भारत के अन्य प्रान्तों से नगरीय आब्रजन

भारत के अन्य प्रान्तों से नगरीय जनसंख्या का आब्रजन 1991 में जनपद के नगरीय क्षेत्रों में 3.22 प्रतिशत हुआ था जबकि 2001 में 4.27 प्रतिशत नगरीय आब्रजन जनपद में हुआ है। भारत के अन्य राज्यों से नगरीय जनसंख्या आब्रजन 1991 में जनपद के नगरीय क्षेत्रों में पुरुषों का 30.21 प्रतिशत एवं महिलाओं का 69.79 प्रतिशत रहा है जबकि 2001 में पुरुषों का 30.92 प्रतिशत एवं महिलाओं का 69.08 प्रतिशत नगरीय आब्रजन हुआ है (तालिका 5.9)।

1991 में जनपद के नगरीय क्षेत्रों में बिहार राज्य से 21.88 प्रतिशत तथा महाराष्ट्र से 18.75 प्रतिशत, मध्यप्रदेश से 14.58 प्रतिशत तथा पश्चिमी बंगाल राज्य से 13.54
प्रतिशत आब्रजन हुआ था भारत के अन्य राज्यों में पंजाब से 7.29 प्रतिशत, राजस्थान 6.25 प्रतिशत तमिलनाडु से 5.21 प्रतिशत, दिल्ली से 3.13 प्रतिशत, केरल 2.08 प्रतिशत, हरियाणा से 2.08 प्रतिशत, गुजरात से 2.08 प्रतिशत एवं आन्ध्रप्रदेश (1.04 प्रतिशत), असम (1.04 प्रतिशत), चंदीगढ़ (1.04 प्रतिशत) प्रान्तों से जनपद में नगरीय आब्रजन हुआ था।

2001 में जनपद के नगरीय क्षेत्रों में आब्रजन बिहार राज्य से 19.15 प्रतिशत, मध्यप्रदेश से 14.58 प्रतिशत तथा पश्चिमी बंगाल से 13.72 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ से 9.93 प्रतिशत, झारखंड से 8.63 प्रतिशत, महाराष्ट्र से 8.50 प्रतिशत, उत्तराखंड से 5.49 प्रतिशत, राजस्थान से 4.31 प्रतिशत हुआ है। अन्य राज्यों में आन्ध्रप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, असम, उड़ीसा गुजरात तथा केरल आदि राज्यों से जनपद में नगरीय आब्रजन अल्प हुआ है (तालिका 5.9).

**तालिका 5.9**

<table>
<thead>
<tr>
<th>वर्ग (प्रतिशत)</th>
<th>1991 प्रतिशत सहित प्रान्तों के नाम</th>
<th>2001 प्रतिशत सहित प्रान्तों के नाम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1 प्रतिशत से कम</td>
<td>कर्नाटक (0.26), आन्ध्रप्रदेश (0.52)</td>
<td>पंजाब (2.68), हरियाणा (1.57), दिल्ली (2.88), असम (1.05), उड़ीसा (1.18), गुजरात (2.22), केरल (2.48), राजस्थान (4.31)</td>
</tr>
<tr>
<td>1-5 अन्य प्रदेश (1.04), असम (1.04), गुजरात (2.08), हरियाणा (2.08), केरल (2.08), चंदीगढ़ (1.04), दिल्ली (3.13)</td>
<td>उत्तराखंड (5.49), महाराष्ट्र (8.50), छत्तीसगढ़ (9.93), झारखंड (8.63)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5-10 पंजाब (7.29), राजस्थान (6.25), तमिलनाडु (5.21)</td>
<td>मध्य प्रदेश (14.58), महाराष्ट्र (18.75), पश्चिमी बंगाल (13.54)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>10-20 मध्य प्रदेश (14.58), महाराष्ट्र (18.75), पश्चिमी बंगाल (13.54)</td>
<td>पश्चिमी बंगाल (13.72), मध्य प्रदेश (14.58), बिहार (19.15)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>20 से अधिक</td>
<td>बिहार (21.88)</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

प्रोत्साहित : जिला जनगणना पुस्तिका 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्चरल टेबुल, कल्चरल एवं माइक्रोनेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।
जनपद में प्रव्रजन

अध्ययन क्षेत्र में 1981 में कुल जनसंख्या का 24.00 प्रतिशत (432252 जनसंख्या) व्यक्तियों का प्रव्रजन हुआ था जबकि 1991 में 24.88 प्रतिशत (549966 जनसंख्या) एवं 2001 में 25.30 प्रतिशत (690942) जनसंख्या का प्रव्रजन हुआ है (लालिका 5.10 एवं 5.11)।

जनपद में 1991 में कुल प्रव्रजन का 72.54 प्रतिशत अन्य जन्तु हुआ था जिसमें पुरुषों का 5.49 प्रतिशत एवं रित्रियों का 94.51 प्रतिशत था। 2001 में कुल प्रव्रजन 76.13 प्रतिशत हुआ है, जो अन्यत्र पैदा हुए लोगों का है। जिसमें पुरुषों का प्रतिशत 12.62 एवं रित्रियों का प्रतिशत 87.38 है। इसी प्रकार राज्य के अन्य जिलों में पैदा हुए लोगों का प्रव्रजन 1991 में 25.65 प्रतिशत हुआ था जिसमें 7.04 प्रतिशत पुरुष एवं 92.96 प्रतिशत रित्रियों थीं। 2001 में कुल प्रव्रजन 21.66 प्रतिशत व्यक्तियों का हुआ है जिसमें पुरुषों का 8.40 प्रतिशत एवं रित्रियों का 91.60 प्रतिशत है। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुए लोगों का प्रव्रजन 1991 में 1.75 प्रतिशत हुआ था जिसमें पुरुषों का प्रव्रजन 29.48 प्रतिशत एवं रित्रियों का प्रव्रजन 70.52 प्रतिशत रहा है जबकि 2001 में भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुए लोगों का प्रव्रजन कुल 2.18 प्रतिशत हुआ है जिसमें पुरुषों का 35.72 प्रतिशत एवं रित्रियों का 64.06 प्रतिशत हुआ है। अन्य राष्ट्रों में पैदा हुए लोगों का कुल प्रव्रजन 1991 में 0.07 प्रतिशत हुआ था जिसमें पुरुषों एवं रित्रियों का प्रतिशत क्रमशः 19.44 एवं 80.56 है। 2001 में अन्य राष्ट्रों में पैदा हुए लोगों का कुल प्रव्रजन 0.02 प्रतिशत हुआ है जिसमें पुरुषों एवं रित्रियों का प्रव्रजन क्रमशः 30.94 एवं 69.06 प्रतिशत हुआ है।

जनपद में कुल प्रव्रजन का 1991 में पुरुषों 6.32 एवं रित्रियों का 93.68 प्रतिशत हुआ था जबकि 2001 में कुल प्रव्रजन पुरुषों का 12.23 एवं रित्रियों का 87.79 प्रतिशत हुआ है। अतः 1991 के तुलना में 2001 में पुरुषों का प्रव्रजन अधिक हुआ है तथा कुल जनसंख्या प्रव्रजन में भी रित्रियों का स्थानान्तरण पुरुषों से अधिक हुआ है (लालिका 5.10 एवं 5.11)।

पुरुषों का 2001 में प्रव्रजन का मुख्य कारण शिक्षा, वैविध्यक स्थिति, रोजगार के आकर्षण एवं उपलब्धता, रोजगार के अवसर, स्थानान्तरणशील कार्य, विभिन्न प्रामाणिक सेवाएं, रोजगार के स्थान परिवर्तन, व्यावसायिक विक्रय, कृषि में हानि, ग्रामीण क्षेत्रों में तिन मजदूरी आदि तथा रित्रियों में प्रव्रजन का मुख्य कारण वैवाहिक है।
### तालिका 5.10

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद</th>
<th>कुल</th>
<th>पुरुष</th>
<th>स्त्री</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>398940 (72.54)</td>
<td>21897 (5.49)</td>
<td>377043 (94.51)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>141046 (25.65)</td>
<td>9925 (7.04)</td>
<td>131121 (92.96)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>9600 (1.75)</td>
<td>2830 (29.48)</td>
<td>6770 (70.52)</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य राष्ट्रों में पैदा हुये (भारत के बाहर पूर्व निवास)</td>
<td>360 (0.07)</td>
<td>70 (19.44)</td>
<td>290 (80.56)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>549966 (100.00)</td>
<td>34732 (6.32)</td>
<td>515234 (93.68)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### स्रोत
जिला जनगणना पुस्तिका 1991 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्चरल टेबुल, कल्चरल एवं माइग्रेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

### तालिका 5.11

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद</th>
<th>कुल</th>
<th>पुरुष</th>
<th>स्त्री</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>526045 (76.13)</td>
<td>66368 (12.62)</td>
<td>459677 (87.38)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>149661 (21.66)</td>
<td>12569 (8.40)</td>
<td>137092 (91.60)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>15097 (2.18)</td>
<td>5392 (35.72)</td>
<td>9705 (64.28)</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य राष्ट्रों में पैदा हुये</td>
<td>139 (0.02)</td>
<td>43 (30.94)</td>
<td>96 (69.06)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>690942 (100.00)</td>
<td>84372 (12.23)</td>
<td>606570 (87.79)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### स्रोत
जिला जनगणना पुस्तिका 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्चरल टेबुल, कल्चरल एवं माइग्रेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

~163~
ग्रामीण जनसंख्या प्रबन्धन

ग्रामीण जनसंख्या का प्रबन्धन 1991 में 73.88 प्रतिशत गणना के जिले में ही हुआ था जिसमें 5.38 प्रतिशत पुरुषों एवं 94.62 प्रतिशत स्त्रियाँ का प्रबन्धन हुआ था, जबकि 2001 में कुल ग्रामीण जनसंख्या का प्रबन्धन 75.72 प्रतिशत का हुआ है जिसमें 5.56 प्रतिशत पुरुष एवं 94.44 प्रतिशत स्त्रियाँ रही हैं। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुए लोगों का कुल प्रबन्धन 1991 में 24.89 प्रतिशत हुआ था जिसमें कुल पुरुषों का प्रबन्धन 6.04 प्रतिशत एवं कुल स्त्रियों का प्रबन्धन 93.96 प्रतिशत रहा है। 2001 में राज्य के अन्य जिलों में पैदा हुए लोगों का प्रबन्ध 22.38 प्रतिशत हुआ है जिसमें कुल पुरुषों का 4.87 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 95.13 प्रतिशत था। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुए लोगों का ग्रामीण प्रबन्धन 1991 में 1.23 प्रतिशत हुआ था जिसमें कुल पुरुष 30.38 प्रतिशत एवं कुल स्त्रियों का 69.62 प्रतिशत रहा है। 2001 में अन्तर्राष्ट्रीय स्थानान्तरण अभ्यास भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुए लोगों का ग्रामीण प्रबन्धन 1.90 प्रतिशत हुआ है जिसमें पुरुषों का ग्रामीण प्रबन्धन 34.19 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 65.81 प्रतिशत हुआ है।

1991 में कुल ग्रामीण जनसंख्या के प्रबन्धन में कुल पुरुषों का स्थानान्तरण 5.85 प्रतिशत (31082 जनसंख्या) हुआ था जबकि स्त्रियों का 94.15 प्रतिशत (499954 जनसंख्या) स्थानान्तरण हुआ था। 2001 में भी कुल ग्रामीण जनसंख्या (578489 जनसंख्या) के प्रबन्धन में कुल पुरुषों का स्थानान्तरण 5.95 प्रतिशत (34421 व्यक्ति) तथा कुल स्त्रियों का स्थानान्तरण 94.05 प्रतिशत (544068 जनसंख्या) हुआ है (तालिका 5.12)।

तालिका 5.12 के अध्ययन से स्पष्ट है कि 1991 के तुलना में 2001 में ग्रामीण जनसंख्या का प्रबन्धन अधिक हुआ है जिसका कारण यातायात की सुविधाएं एवं संचार के साधनों का तेजी से विकास औद्योगिक करण एवं नगरीय करण, रोजगार के अवसर, जनोपयोगी सुविधाएं आदि हैं।

~164~
तालिका 5.12
जनपद प्रतापगढ़ : ग्रामीण जनसंख्या प्रबळन

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>पुरुष</td>
</tr>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>392320 (73.88)</td>
<td>21107 (5.38)</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>132166 (24.89)</td>
<td>7985 (6.04)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>6550 (1.23)</td>
<td>1990 (30.38)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>531036 (100.00)</td>
<td>31082 (5.85)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्याण टेबुल) कल्याण एवं माइनिंग टेबुल भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

ग्रामीण से ग्रामीण प्रबळन

ग्रामीण प्रबळित जनसंख्या का 1991 में 96.48 प्रतिशत लोगों का प्रबळन गणना के ही जनपद में ग्रामीण से ग्रामीण हुआ है तथा 2001 में भी अन्तर्जनपदीय व्यापकता में कुल प्रबळित जनसंख्या का 96.66 प्रतिशत लोगों का व्यापकता ग्रामीण से ग्रामीण हुआ है। राज्य के अन्य जनपदों में कुल ग्रामीण प्रबळित जनसंख्या का 1991 में 92.86 प्रतिशत लोगों का प्रबळन ग्रामीण से ग्रामीण हुआ था तथा 2001 में कुल प्रबळन का 94.07 प्रतिशत व्यक्तियों का व्यापकता गाँव से गाँव में हुआ है। भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये लोगों का ग्राम से ग्राम प्रबळन 1991 में 93.44 प्रतिशत तथा 2001 में 94.47 प्रतिशत हुआ है।

इसी प्रकार 1991 कुल ग्रामीण प्रबळित जनसंख्या 531036 में 507381 (95.55 प्रतिशत) लोगों का प्रबळन ग्रामीण से ग्रामीण हुआ था जबकि 2001 में कुल ग्रामीण
प्रणजित जनसंख्या 578489 में से 555593 व्यक्तियों का स्थानान्तरण गाँव से गाँव में हुआ है (लाइका 5.13).

जनपद में ग्रामीण से ग्रामीण प्रवास का मुख्य कारण वैवाहिक स्थानान्तरण है तथा कृषि मजदूर जो कृषि पर आलिख्त हैं वह कार्य की तलाश में एक गांव से दूसरे गांव में जाकर मजदूरी करते हैं तथा काम समाप्त होने के बाद अपने गांव लौट आते हैं।

ग्रामीण से नगरीय प्रवास

ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों से होने वाला स्थानान्तरण आतंरिक स्थानान्तरण का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्वरूप है। जिन क्षेत्रों में तीव्र औद्योगिक विकास हुआ है वहाँ के आर्थिक विकास के परिप्रेक्ष्य में प्रतिष्ठित आवास में वृद्धि के दृष्टि से ग्रामीण-नगरीय स्थानान्तरण का विशेष योगदान है। ग्रामीण-नगरीय स्थानान्तरण मुख्त: विशेषत आर्थिक उद्देश्यों का परिणाम है। सामान्यतया ग्रामों की अपेक्षा नगरों में रोजगार अधिक अवसर, कार्य की बेहतर दस्तां एवं अन्य नगरीय आकर्षण स्रोतों से कुशल एवं अकुशल कार्यशील आयुर्वेद की जनसंख्या को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। रेल तथा सड़क परिवहन की बढ़ती हुयी सुविधाओं से भी ग्रामीण-नगरीय स्थानान्तरण में वृद्धि हुई है।

जनपद में ही अन्यत्र पैदा हुये कुल ग्रामीण प्रवास का 1991 में 3.52 प्रतिशत व्यक्तियों का स्थानान्तरण ग्राम से नगर में हुआ था जबकि 2001 में कुल ग्रामीण प्रवासित जनसंख्या का 3.34 प्रतिशत लोगों का प्रदर्शन ग्रामीण-नगरीय हुआ है। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये लोगों का कुल ग्रामीण प्रवासित जनसंख्या का 1991 में 7.14 प्रतिशत व्यक्तियों का प्रदर्शन ग्रामीण से नगरीय हुआ था तथा 2001 में कुल ग्रामीण प्रवास का 5.93 प्रतिशत व्यक्तियों का ग्रामीण-नगरीय प्रदर्शन हुआ है। भारत के अन्य प्रांतों में भी कुल ग्रामीण प्रवास का 1991 में 6.56 प्रतिशत ग्रामीण से नगरीय स्थानान्तरण हुआ था जबकि 2001 में कुल ग्रामीण प्रवासित जनसंख्या का 5.53 प्रतिशत व्यक्तियों का ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों में हुआ है।

इसी प्रकार 1991 में जनपद में कुल ग्रामीण प्रवास 531036 व्यक्तियों का हुआ जिसमें ग्राम से नगरीय क्षेत्रों में 23655 (4.45 प्रतिशत) व्यक्तियों का प्रवास हुआ था.
तथा 2001 में कुल ग्रामीण प्रबन्धित जनसंख्या 578489 है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में 22896 (3.96 प्रतिशत) व्यक्तियों का स्थानान्तरण हुआ है (तालिका 5.13)।

### तालिका 5.13

#### जनपद प्रतापगढ़ : ग्रामीण प्रबन्धित जनसंख्या (प्रतिशत)

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद</th>
<th>1991</th>
<th></th>
<th>2001</th>
<th></th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>ग्रामीण से ग्रामीण</td>
<td>ग्रामीण से नगरीय</td>
<td>कुल</td>
</tr>
<tr>
<td>गणना के जनपद में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>392320</td>
<td>378528 (96.48)</td>
<td>13792 (3.52)</td>
<td>438059</td>
</tr>
<tr>
<td>राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>132166 (24.89)</td>
<td>122733 (92.86)</td>
<td>9433 (7.14)</td>
<td>129451 (22.38)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुये</td>
<td>6550 (1.23)</td>
<td>6120 (93.44)</td>
<td>430 (6.56)</td>
<td>10979 (1.90)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>531036 (100.00)</td>
<td>507381 (95.55)</td>
<td>23655 (4.45)</td>
<td>578489 (100.00)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

प्रोत्साहित: जिला जनगणना पुरिताका 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं माइग्रेशन टेबल, कल्चरल एवं माइग्रेशन टेबल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

### भारत के अन्य प्रान्तों में ग्रामीण प्रबन्धन

जनपद में राज्य स्तर पर प्रबन्धन 2001 में कुल ग्रामीण प्रबन्धन का मात्र 1.90 प्रतिशत ही व्यक्तियों का स्थानान्तरण हुआ है। जनपद प्रतापगढ़ से भारत के अन्य प्रान्तों में सर्वाधिक ग्रामीण प्रबन्धन छत्तीसगढ़ प्रान्त में 42.13 (5263 जनसंख्या) प्रतिशत हुआ है। जबकि अन्य प्रान्तों में मध्यप्रदेश में 19.42 प्रतिशत, उत्तराखण्ड में 9.10 प्रतिशत, बिहार में 7.52 प्रतिशत, झारखण्ड में 7.61 प्रतिशत, पश्चिमी बंगाल में 4.33 प्रतिशत, उड़ीसा में 281 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 1.46 प्रतिशत तथा केरल में 1.48 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या प्रबन्धित हुई है। भारत के राज्यों में हिमालय प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, असम, गुजरात, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक आदि में न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या प्रबन्धित हुई है (तालिका 5.14)।
भारत के राज्यों में ग्रामीण प्रबन्धन का कारण रोजगार के अवसर, कार्य की बेहतर दशाएँ, औद्योगिकरण एवं नगरीकरण, उच्च आय आदि हैं शिक्षा प्राप्ति के लिए भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अन्य प्रांतों में प्रवास करते हैं।

तालिका 5.14

भारत के अन्य प्रांतों में ग्रामीण प्रबन्धित जनसंख्या (प्रतिशत) 2001

<table>
<thead>
<tr>
<th>वर्ग (प्रतिशत)</th>
<th>प्रतिशत सहित प्रांतों के नाम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>01 से कम</td>
<td>हिमालय प्रदेश (0.26), पंजाब (0.51), छत्तीसगढ़ (0.53), हरियाणा (0.36), दिल्ली (0.54), राजस्थान (0.46) असम (0.44), गुजरात (0.49), आंध्र प्रदेश (0.16), कर्नाटक (0.09)</td>
</tr>
<tr>
<td>1–5</td>
<td>पश्चिम बंगाल (4.33), उड़ीसा (2.81), महाराष्ट्र (1.46), केरल (1.48)</td>
</tr>
<tr>
<td>5–20</td>
<td>उत्तराखंड (9.10) विहार (7.52), झारखंड (7.61) तथा मध्य प्रदेश (19.42)</td>
</tr>
<tr>
<td>20 से अधिक</td>
<td>छत्तीसगढ़ (42.13)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

प्रोत्साह: जनगणना पुस्तिका उत्तर प्रदेश माइक्रोशेन्स टेबुल 2001.

नगरीय प्रबन्धन

नगरीय जनसंख्या का प्रबन्धन 1991 में कुल 36.23 प्रतिशत गणना के जिले में ही हुआ था जिसमें पुरुषों का स्थानांतरण 11.84 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 88.16 प्रतिशत रहा है। 2001 में कुल नगरीय जनसंख्या का प्रबन्धन 46.45 प्रतिशत हुआ है जिसमें पुरुषों का 20.40 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 79.60 प्रतिशत है। राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुए लोगों का प्रबन्धन 1991 में 47.22 प्रतिशत हुआ था जिसमें पुरुषों का 20.37 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 79.63 प्रतिशत रहा है। तथा 2001 में कुल नगरीय प्रबन्धन का 40.46 प्रतिशत राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुए लोगों का हुआ है जिसमें पुरुषों का 18.72 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 81.28 प्रतिशत हुआ है। इसी प्रकार भारत के अन्य प्रांतों में पैदा हुए लोगों का नगरीय प्रबन्धन 1991 में 16.55 प्रतिशत था जिसमें पुरुषों का नगरीय प्रबन्धन 27.24 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 72.76 प्रतिशत रहा है जबकि 2001 में नगरीय प्रबन्धन 13.
99 प्रतिशत हुआ है जिसमें पुरुषों का 34.77 प्रतिशत एवं स्त्रियों का 65.23 प्रतिशत हुआ है (लिस्ट 5.15).

1991 में जनपद में कुल प्रबंधित जनसंख्या का 18190 व्यक्तियों का नगरीय प्रबन्धन हुआ था जिसमें 18.42 प्रतिशत (3350 जनसंख्या) पुरुषों का तथा 81.58 प्रतिशत (14840 जनसंख्या) स्त्रियों का हुआ था जबकि 2001 में जनपद की कुल नगरीय प्रबन्धन 21620 व्यक्तियों का हुआ है जिसमें कुल पुरुषों का प्रतिशत 21.60 (4671) स्त्रियों का 78.40 (16949) प्रतिशत हुआ है (लिस्ट 5.15).

जनपद में जनसंख्या के स्थानान्तरण में पुरुषों की तुलना में स्त्रियों का स्थानान्तरण अधिक हुआ है जिसका मुख्य कारण वैवाहिक स्थानान्तरण है।

लिस्ट 5.15

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद</th>
<th>1991</th>
<th>2001</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल</td>
<td>पुरुष</td>
</tr>
<tr>
<td>गणना के में अन्यत्र पैदा हुये</td>
<td>6590 (36.23)</td>
<td>780 (11.84)</td>
</tr>
<tr>
<td>गणना के राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुये</td>
<td>8590 (47.22)</td>
<td>1750 (20.37)</td>
</tr>
<tr>
<td>भारत के अन्य प्रांतों में पैदा हुये</td>
<td>3010 (16.55)</td>
<td>820 (27.24)</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>18190 (100.00)</td>
<td>3350 (18.42)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जिला जनगणना लिस्ट 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (कल्याळ एवं माइग्रेशन रेडियल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित। 

~169~
नगरीय से नगरीय प्रबन्धन

नगर से नगर की ओर होने वाले स्थानांतरण को नगरीय से नगरीय स्थानांतरण या अन्तर्गतगति स्थानांतरण कहते हैं। प्रायः देखा जाता है कि प्रथमतः ग्रामीण जनसंख्या समीपवर्ती छोटे नगरीय केंद्रों की ओर स्थानांतरित होती है तथा कुछ समय तक उन छोटे नगरों में निवास करने के उपरान्त वे बड़े व विशाल नगरों की ओर स्थानांतरित होते हैं।

जनपद में 1991 में कुल नगरीय प्रबन्धन का 36.23 प्रतिशत लोगों का प्रबन्धन अन्यत्र हुआ था जिसका 24.58 प्रतिशत प्रबन्धन नगर से नगर में हुआ था जबकि 2001 कुल नगरीय प्रबन्धन का 46.45 प्रतिशत स्थानांतरण अन्तः जनपदीय हुआ है जिसका 40. 58 प्रतिशत स्थानांतरण नगरीय से नगरीय हुआ है। 1991 में राज्य के अन्य जिलों में पैदा हुये लोगों का कुल नगरीय प्रबन्धन 47.22 प्रतिशत था, जिसमें 39.35 प्रतिशत जनसंख्या का प्रवास नगर से नगर में हुआ था, जबकि 2001 में कुल नगरीय जनसंख्या प्रबन्धन 40.46 प्रतिशत हुआ है जिसका 51.46 प्रतिशत प्रबन्धन नगरीय से नगरीय रहा। भारत के अन्य प्रांतों में नगरीय केंद्रों से कुल प्रबन्धन 1991 में 16.55 प्रतिशत हुआ था जिसका 16.28 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या प्रबन्धन नगर से नगर का हुआ जबकि 2001 में कुल नगरीय प्रबन्धन 13.09 प्रतिशत हुआ है, जिसका 25.58 प्रतिशत स्थानांतरण नगर से नगर को हुआ है।

1991 में कुल नगरीय जनसंख्या 18190 व्यक्तियों का प्रबन्धन हुआ था जिसमें 30. 18 प्रतिशत (5490 व्यक्ति) जनसंख्या का स्थानांतरण नगर से नगर में हुआ था जबकि 2001 में कुल प्रबन्धित नगरीय जनसंख्या 21620 है जिसका 43.02 प्रतिशत (9301 व्यक्ति) प्रबन्धन नगर से नगर को हुआ है (तालिका 5.16)।

नगरीय से ग्रामीण प्रबन्धन

नगरों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जनसंख्या स्थानांतरण को नगरीय-ग्रामीण स्थानांतरण कहते हैं। इस प्रकार वे स्थानांतरण में 1991 में 75.42 प्रतिशत व्यक्तियों का प्रबन्धन नगर से गाँव में हुआ था जबकि 2001 में 59.42 प्रतिशत हुआ है जो जनपद में ही अन्यत्र प्रबन्धन हुआ है। राज्य के अन्य जनपदों में होने वाले कुल नगरीय प्रबन्धन का 1991 में 60.65 प्रतिशत जनसंख्या का स्थानांतरण नगर से गाँव की ओर हुआ जबकि 2001 में कुल नगरीय प्रबन्धित जनसंख्या में 48.54 प्रतिशत व्यक्तियों का स्थानांतरण
नगर से गाँव में हुआ है। भारत के अन्य प्रान्तों में होने वाले कुल नगरीय प्रबंधन 1991 में 16.55 प्रतिशत हुआ था जिसमें 83.72 प्रतिशत व्यक्तियों का स्थानान्तरण नगर से गाँव में हुआ था जबकि 2001 में कुल नगरीय प्रबंधित जनसंख्या 13.09 प्रतिशत है जिसमें 74.42 प्रतिशत व्यक्तियों का प्रवास नगर से गाँव में हुआ है। 1991 में कुल नगरीय प्रबंधित जनसंख्या 18190 थी जिसमें 12700 (69.82 प्रतिशत) व्यक्तियों का स्थानान्तरण नगर से गाँव में हुआ था जबकि 2001 में कुल नगरीय प्रबंधित जनसंख्या 21620 है जिसमें 12319 (56.98 प्रतिशत) व्यक्तियों का प्रबंधन नगर से गाँव में हुआ है (तालिका 5.16)।

| तालिका 5.16 | जनगणना प्रतापगढ़ : नगरीय प्रबंधित जनसंख्या (प्रतिशत) |
|-------------|------------------|------------------|
| कुल (गाँव के जनपद में अन्यत्र पैदा हुए) 6590 (36.23) 4970 (75.42) 10042 (46.45) 4075 (40.58) 5967 (59.42)  |
| राज्य के अन्य जनपदों में पैदा हुए 8590 (47.22) 5210 (60.65) 8748 (40.46) 4502 (51.46) 4246 (48.54)  |
| भारत के अन्य प्रान्तों में पैदा हुए 3010 (16.55) 2520 (83.72) 2830 (13.09) 724 (25.58) 2106 (74.42)  |
| योग 18190 (100.00) 5490 (30.18) 12700 (69.82) 21620 (100.00) 9301 (43.02) 12319 (56.98)  |

स्रोत: जिला जनगणना पुस्तिका 1991 एवं 2001 उत्तर प्रदेश (सोशल एवं कल्चरल टेबुल) (कल्चरल माइनेरेशन टेबुल) भारत, उत्तर प्रदेश द्वारा परिकलित।

~171~
भारत के अन्य प्रान्तों में नगरीय प्रबन्धन

जनपद में भारत के अन्य प्रान्तों में नगरीय प्रबन्धन 2001 में कुल 3.09 प्रतिशत व्यक्तियों का हुआ है। सर्वाधिक नगरीय प्रबन्धन महाराष्ट्र में 26.08 प्रतिशत, हुआ है, इसके अतिरिक्त पश्चिमी बंगाल में 23.22 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 11.34 प्रतिशत, दिल्ली में 7.00 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 4.91 प्रतिशत, गुजरात में 3.85 प्रतिशत, झारखंड में 3.67 प्रतिशत, पंजाब में 3.57 प्रतिशत, बिहार में 5.34 प्रतिशत, उत्तराखंड में 2.54 प्रतिशत, राजस्थान में 2.16 प्रतिशत तथा हरियाणा राज्य में 1.70 प्रतिशत नगरीय प्रबन्धन जनपद से हुआ है। भारत के अन्य प्रान्तों में चण्डीगढ़, असम, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा केरल में चूनतम नगरीय जनसंख्या प्रबन्धित हुयी है (तालिका 5.17).

तालिका 5.17

भारत के अन्य प्रान्तों में नगरीय प्रबन्धित जनसंख्या (प्रतिशत) 2001

<table>
<thead>
<tr>
<th>वर्ग (प्रतिशत)</th>
<th>प्रतिशत सहित प्रान्तों का नाम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.0 से कम</td>
<td>चण्डीगढ़ (0.64), असम (0.71), उड़ीसा (0.85), आन्ध्र प्रदेश (0.6), कर्नाटक (0.78), केरल (0.78)</td>
</tr>
<tr>
<td>1 से 5</td>
<td>पंजाब (3.57), उत्तराखंड (2.54), हरियाणा (1.70), राजस्थान (2.16), झारखंड (3.67), छत्तीसगढ़ (4.91), गुजरात (3.85)</td>
</tr>
<tr>
<td>5 से 20</td>
<td>दिल्ली (7.00), बिहार (5.34), मध्य प्रदेश (11.34)</td>
</tr>
<tr>
<td>20 से अधिक</td>
<td>पश्चिमी बंगाल (23.22), महाराष्ट्र (26.08)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना पुस्तिका उत्तर प्रदेश 'भाग्यश्री टेबुल 2001.'
REFERENCES


*****